

NT>

Title: Requests to introduce action plan to protect Ganga River from pollution.

श्री वीरेन्द्र सिंह (मिर्जापुर): सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से इस सदन का ध्यान बहुत ही महत्वपूर्ण बिन्दु की ओर दिलाना चाहता हूँ। बनारस शहर इस देश का नहीं बल्कि दुनिया का सबसे प्राचीन नगर है और भारत की संस्कृति से जुड़ा हुआ है। गंगा को प्रदूषण मुक्त करने के लिए एक बहुत ही चर्चित योजना बनी थी, लेकिन उसका कोई लाभ नहीं हुआ। गंगा हरिद्वार से लेकर बंगाल की खाड़ी तक बहती है। गंगा नदी भारत की संस्कृति और सभ्यता से जुड़ी हुई है। भारत की इस संस्कृति को प्रदूषण की वजह से खतरा हो रहा है। गंगा कार्य योजना के तहत जल निगम द्वारा जो निर्माण हुआ था, वह बेकार हो गया है। मैं आपके माध्यम से सरकार को वहाँ की स्थिति के बारे में बताना चाहता हूँ। काशी वरुणा और असी नदी के बीच में बसता है। एक तरफ असी नदी थी और दूसरी तरफ वरुणा नदी थी, लेकिन असी नदी का नामोनिशान मिट गया है। गंगा नदी को प्रदूषण से मुक्त करने के लिए जो योजना बनाई गई थी, वह फेल हो गयी है। पांच महीने तक वहाँ की मशीनें बन्द रहती है और प्रदूषित पानी लगातार बहता रहता है, जो आवासीय व्यवस्था को नष्ट कर रहा है। मैं आपके माध्यम से सरकार से कहना चाहता हूँ, वहाँ के पुराने लोग जो काशी की व्यवस्था को जानते हैं कि किस प्रकार प्रदूषण को निकाला जा सकता है और नाले बनाए जा सकते हैं, उनका सहयोग लेना चाहिए। गंगा नदी हमारे देश की प्राण है, लेकिन चिन्ता की बात यह है कि गंगा नदी का जल प्रदूषित हो रहा है और वह जल बाबा विश्वनाथ मंदिर में चढ़ाया जाता है।

* Not Recorded.

सभापति महोदय : आप क्या चाहते हैं, सरकार से पूछिए।

श्री वीरेन्द्र सिंह : मैं आपके माध्यम से सरकार से कहना चाहता हूँ कि योजना के लिए जो ५३ करोड़ रुपए पास हुआ है, उस पर हाई कोर्ट ने स्टे किया है। मेरा निवेदन है कि वहाँ के लोगों से सलाह करके, सुझाव लेकर योजना बनायें, जिससे गंगा को प्रदूषण से बचाया जाए और बाबा विश्वनाथ पर स्वच्छ जल चढ़ाया जा सके। मैं इस संबंध में सदन के माननीय सदस्यों का भी सहयोग चाहता हूँ।

... (व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: Nothing will go on record. Shri Motilal Vora.

SHRI MOTILAL VORA : Sir, I want to invite the attention of the Minister of External Affairs to the following matter of public importance.

... (व्यवधान)

श्री वीरेन्द्र सिंह : आप जब उत्तर प्रदेश में राज्यपाल थे तब आपने उस समय कुछ नहीं किया।

... (व्यवधान)

श्री मोतीलाल वोरा : मैंने जो कुछ किया वह आपकी सरकार नहीं कर सकती।

... (व्यवधान)

श्री वीरेन्द्र सिंह : आप भी गंगा जल के प्रदूषण को मुक्त करने के लिए योजनाबद्ध प्रस्ताव लाइए। मैं भारत सरकार से मांग करता हूँ,

... (व्यवधान)

>

श्री आनन्द रत्न मोर्य : मैं भी इससे अपने को सम्बद्ध करता हूँ।

... (व्यवधान)

श्री मोतीलाल वोरा : मुझे आपके सर्टिफिकेट की आवश्यकता नहीं है, मैंने जो कुछ किया वह राज्यपाल की हैसियत से किया। मुझे भारतीय जनता पार्टी के या किसी अन्य नेता के सर्टिफिकेट की आवश्यकता नहीं है।

... (व्यवधान)

सभापति महोदय : वोरा जी, आप सब्जैक्ट पर बोलिए।